खबर संक्षेप

बैट्री चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

शहडोल। शहर में सक्रिय चोर गिरोहों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मालवाहक वाहनों को निशाना बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया है। घटना 2 जनवरी की रात की है, जब वार्ड नंबर 27 स्थित मीट मार्केट के पास से श्रेयांश गुप्ता के टाटा ऐस वाहन की कीमती एक्साइड बैटरी पार कर दी गई थी। शातिर चोरों को शायद अंदाजा नहीं था कि उनकी हर हरकत तीसरी आंख यानी सीसीटीवी में कैद हो रही है। फुटेज में मुख्य आरोपी हसन खान हाथ ठेले पर चोरी की बैटरी ले जाते हुए साफ दिखाई दिया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने जाल बिछाते हुए मुखबिर की सूचना पर पवन कुमार उर्फ छोटू नामदेव को मोहन राम तालाब के पास घेराबंदी कर दबोच लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने कबूला कि उसके साथी हसन खान ने बैटरी चोरी कर उसे बेचने के लिए दी थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बैटरी बरामद कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है।मामले का मुख्य सूत्रधार हसन खान निवासी इतवारी मोहल्ला फिलहाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस ने साफ संदेश दिया है कि शहर की शांति भंग करने वाले अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस सफल कार्यवाही में उपनिरीक्षक राकेश बागरी, रजनीश तिवारी और उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

6 दिन से लापता नाबालिग 48 घंटे में दस्तयाब

ऑपरेशन मुस्कान को बड़ी कामयाबी

शहडोल। कानून के हाथ कितने लंबे होते हैं, यह थाना जैतपुर पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया है। 11 जनवरी से लापता एक 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को पुलिस ने अपनी सक्रियता और सटीक सूचना तंत्र के दम पर महज 48 घंटों के भीतर सुरक्षित ढूंढ निकाला है। इस कार्रवाई ने क्षेत्र में सक्रिय संदिग्ध तत्वों के बीच कड़ा संदेश दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब 15 जनवरी को पीड़ित पिता ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने बताया कि उनकी मासूम बेटी अचानक घर से लापता हो गई थी। हर संभावित ठिकाने और रिश्तेदारों के यहां तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तब अज्ञात आरोपी द्वारा उसे बहला-फुसलाकर अगवा करने का शक गहरा गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपहरण की धाराओं में केस दर्ज कर घेराबंदी शुरू की। निरीक्षक जियाउल हक के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर जाल बिछाया।

शहडोल में बिक रहा जहर!

भ्रष्टाचार की मलाई में डूबा खाद्य विभाग

शहडोल

संभाग मुख्यालय सहित जिले भर में इन दिनों आम जनता की सेहत के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है, लेकिन इसे रोकने की जिम्मेदारी जिस खाद्य एवं औषधि विभाग के कंधों पर है, वह गहरी नींद में सोया हुआ है। आलम यह है कि मिलावटखोरी अपने चरम पर है और विभाग के साहब कमीशन की जुगाड़ में दफ्तरों से नदारद हैं। शहर की सडकों पर खुलेआम बिकती दूषित सामग्रियां चीख-चीख कर विभाग की निष्क्रियता की गवाही दे रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों ने जैसे अपनी आंखें मूंद ली हैं।

त्योहारों पर जागता है निरीक्षकों का जमीर

विभाग की कार्यशैली किसी मजाक से कम नहीं है। इनके अधिकारी और निरीक्षक साल भर सुसुप्तावस्था में रहते हैं और जैसे ही होली या दीपावली जैसे बड़े त्योहार करीब आते हैं, ये अचानक सांस लेने के लिए बाहर निकलते हैं। इनकी इस सक्रियता का मकसद जनता को शुद्ध सामान दिलाना नहीं, बल्कि अपनी जेबें गर्म करना होता है। त्योहारों के नाम पर होटलों और मिष्ठान भंडारों में दबिश दी जाती है, कुछ नमूने लिए जाते हैं और फिर अंदरखाने सेटिंग का खेल शुरू होता है। जैसे ही रिश्वत की मलाई हाथ लगती है, साहब अगले त्योहार तक फिर से गायब हो जाते हैं।

होटलों में गंदगी का साम्राज्य

नगर के होटलों और चाय-नाश्ते की दुकानों पर खाद्य सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। नीचे बहती नालियां और ऊपर खुले में रखे समोसे-जलेबी यह शहडोल के होटलों की कड़वी सच्चाई है। दुकानदार इन सामग्रियों को ढकने तक की जहमत नहीं उठाते, क्योंकि उन्हें पता है कि विभाग के साहब कभी चेकिंग के लिए नहीं आएंगे। संभाग मुख्यालय के नामी होटलों में आज तक यह विभाग इतनी भी हिम्मत नहीं जुटा सका कि उन्हें सामान ढककर रखने की नसीहत दे सके। चाट के ठेलों पर तो स्थिति और भी बदतर है, जहाँ मैले-कुचैले प्लास्टिक के डिब्बों में भरा दूषित पानी संक्रमण को खुला न्योता दे रहा है।

मिलावटखोरी का मास्टरमाइंड बना बुढ़ार का वो होटल

जिले में घी, तेल, मसाले और बच्चों के नूडल्स तक में जमकर मिलावटखोरी हो रही है। मिठाइयों में सड़ा-गला और फफूंद लगा मावा इस्तेमाल किया जा रहा है। आकर्षक दिखने के लिए ऐसे घातक रंगों का प्रयोग हो रहा है, जो सीधा कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। सूत्रों की मानें तो बुढ़ार का एक नामी होटल आज भी धड़ल्ले से घटिया और जला हुआ तेल खपाने के लिए बदनाम है, लेकिन आज तक उस पर किसी अफसर की नजर नहीं पड़ी। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है या फिर मंथली का लिफाफा इतना भारी है कि विभाग की गर्दन वहां तक नहीं पहुंचती?

रिश्वत का डौल और सालाना टारगेट का खेल

सूत्रों का दावा है कि विभाग के कारिंदों ने अपना वार्षिक टारगेट फिक्स कर रखा है। हर महीने दुकानों से मोटी रकम वसूल ली जाती है, जिसके बदले उन्हें घटिया सामान बेचने का लाइसेंस मिल जाता है। जिले भर की डेयरियों और होटलों में मिलावटी घी-तेल का खेल सरेआम चल रहा है, लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग के कागजों में सब कुछ ऑल इज वेल है। जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए या कोई बीमार होकर अस्पताल न पहुंच जाए, तब तक इन साहबों की नींद नहीं टूटने वाली।

शादी का झांसा देकर नाबालिग की अस्मत से खिलवाड़

15 दिनों तक बंधक बनाकर किया दुष्कर्म, केशवाही पुलिस ने दबोचा

शहडोल। रिश्तों और विश्वास को कलंकित करने वाले एक सनसनीखेज मामले में केशवाही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक दरिंदे को सलाखों के पीछे भेज दिया है। आरोपी ने न केवल एक नाबालिग का अपहरण किया, बल्कि उसे दो सप्ताह तक बंधक बनाकर उसकी आबरू से खेलता रहा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

प्रेम जाल में फंसाकर किया अगवा

वारदात की शुरुआत एक पारिवारिक कार्यक्रम से हुई, जहाँ आरोपी जितेंद्र पाव उम्र 22 वर्ष निवासी चकौडिया ने नाबालिग पीड़िता को अपनी मीठी बातों में फंसाया। 3 जनवरी को आरोपी ने शादी का झांसा देकर मासूम को केशवाही बस स्टैंड बुलाया। वहाँ से वह उसे जबरन अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने गांव ले गया।

15 दिनों तक कैद में हैवानियत

पीड़िता ने पुलिस को अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि आरोपी ने उसे करीब दो सप्ताह तक अपने घर में बंधक बनाकर रखा। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया और विरोध करने पर मारपीट भी की। किसी तरह चंगुल से छूटकर जब पीड़िता अपने घर पहुँची, तब परिजनों के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

सलाखों के पीछे पहुंचा आरोपी

शिकायत मिलते ही बुढार थाना प्रभारी के नेतृत्व में केशवाही पुलिस ने जाल बिछाया। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए 18 जनवरी को आरोपी जितेंद्र पाव को ग्राम चकौडिया से गिरफ्तार कर लिया। इस बड़ी कार्रवाई में उपनिरीक्षक गंगा सिंह मार्को, आरक्षक जितेंद्र राठौर और उमेश राठौर की अहम भूमिका रही।

गुरुओं के सम्मान से गूंजा शहडोल

एलएनसीटी ग्रुप ने नवाजा, दिग्गजों ने कहा- शिक्षक ही राष्ट्र का असली निर्माता

शहडोल। शहर के सूर्या इंटरनेशनल होटल में आयोजित गुरुद्रोणाचार्य सम्मान समारोह ने शिक्षा जगत में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया। एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में जिले भर के शिक्षाविदों, प्राचार्यों और शिक्षकों का जमावड़ा लगा। मौका था उन शिल्पकारों को सम्मानित करने का, जो बंद कमरों में राष्ट्र के भविष्य को आकार दे रहे हैं। गरिमामय वातावरण में संपन्न हुए इस समारोह ने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के गौरव को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

शिक्षा के सारथियों का हुआ वंदन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने कडक़ अंदाज में कहा कि गुरु केवल अक्षर ज्ञान नहीं देता, बल्कि वह समाज का वास्तविक निर्माता होता है। उन्होंने इस सम्मान को समाज की कृतज्ञता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सहायक आयुक्त (आदिवासी विकास) आनंद रॉय ने दो टूक शब्दों में कहा कि शिक्षक ही सामाजिक परिवर्तन का आधार स्तंभ है, उसके बिना सशक्त राष्ट्र की कल्पना बेमानी है।

मंच पर जुटे अकादमिक जगत के महारथी

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार पांडेय, कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी, अनूपपुर प्राचार्य प्रो. अनिल सक्सेना और पी.एम. उषा प्रभारी डॉ. रचना दुबे मौजूद रहीं। अतिथियों ने स्पष्ट किया कि गुरु का सम्मान दरअसल उस ज्ञान और अनुशासन का सम्मान है, जो समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। एलएनसीटी ग्रुप के जानकी शरण ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए गुरुओं के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई।

सम्मान पाकर खिले शिक्षकों के चेहरे

समारोह का मुख्य आकर्षण वह क्षण था, जब विभिन्न विद्यालयों के डायरेक्टर्स, प्राचार्यों और शिक्षकों को गुरुद्रोणाचार्य पुरस्कार से नवाजा गया। मंच से जब उनके योगदान की गाथा पढ़ी गई, तो पूरा हॉल तालियों की गडग़ड़ाहट से गूँज उठा। डॉ. दिलीप तिवारी के ओजपूर्ण संचालन ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। अंत में आयोजकों ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने यह संदेश साफ कर दिया कि शहडोल की माटी अपने शिक्षकों का सम्मान करना जानती है।

टक्कर के बाद धू-धू कर जला इंजन, टला बड़ा कोयला कांड

एनएच-43 पर काल बनकर दौड़ा ट्रक

शहडोल।

एनएच-43 पर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब मौत बनकर दौड़ रहे एक कोयला लोड ट्रक ने अगले वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते ट्रक का इंजन आग का गोला बन गया। धुरवार टोल प्लाजा के पास हुई इस घटना ने हाइवे पर घंटों दहशत का माहौल बनाए रखा। गनीमत रही कि आग ट्रक में लदे भारी-भरकम कोयले तक नहीं पहुंची, वरना पूरा इलाका अग्नि-तांडव का गवाह बन सकता था।

टक्कर से भड़की चिंगारी

मिली जानकारी के अनुसार, बुढार से कटनी की ओर जा रहा कोयला लोड ट्रक जैसे ही टोल प्लाजा के करीब पहुंचा, अनियंत्रित होकर आगे चल रहे चेसिस वाहन से जा भिड़ा। टक्कर होते ही ट्रक के अगले हिस्से में आग की लपटें उठने लगीं। चालक ने जैसे-तैसे कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग ने इंजन को अपनी गिरफ्त में ले लिया। सूचना मिलते ही सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे दलबल और दमकल के साथ मौके पर पहुंचे। भारी मशक्कत के बाद जब तक आग बुझाई गई, ट्रक का इंजन कंकाल में तब्दील हो चुका था।

हाईवे पर घंटों लगा रहा जाम

हादसे के कारण शहडोल-बुढार हाईवे पूरी तरह ठप हो गया। मुख्य मार्ग पर धू-धू कर जलते ट्रक और काले धुएं के गुबार के कारण पुलिस को सुरक्षा के मद्देनजर यातायात रोकना पड़ा, जिससे सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस की तत्परता से कोयले को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया, जो एक बड़ी तबाही का कारण बन सकता था।

जांच के घेरे में रफ्तार का जुनून

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आखिर यह टक्कर लापरवाही का नतीजा थी या वाहन में कोई तकनीकी खामी। बहरहाल, सोहागपुर पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात बहाल कराया है, लेकिन इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर भारी वाहनों की बेलगाम रफ्तार और सुरक्षा मानकों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

शहडोल में खूनी भालू का तांडव

पहले चरवाहे को उतारा मौत के घाट, फिर तड़प-तड़प कर खुद भी तोड़ा दम!

शहडोल। जिले के जंगलों में भालुओं का खूनी आतंक अब इंसानी बस्तियों के लिए काल बन गया है। गोहपारू और जैतपुर वन परिक्षेत्र में भालुओं की बढ़ती सक्रियता ने न केवल ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है, बल्कि वन विभाग के दावों की भी पोल खोल दी है। महज 48 घंटों के भीतर जंगल में मौत का जो खेल शुरू हुआ, उसका अंत एक ग्रामीण और एक भालू, दोनों की मौत के साथ हुआ।

इंसान हारा, भालू भी नहीं बचा

गोहपारू के अटरिया जंगल में गुरुवार को जब चेतन यादव अपनी मवेशी चरा रहा था, तब एक आदमखोर भालू ने उस पर मौत बनकर हमला किया। भालू ने चेतन को संभलने का मौका तक नहीं दिया और मौके पर ही उसे मार डाला। हैरानी की बात यह है कि जिस भालू ने जान ली, वह खुद भी मौत के कगार पर खड़ा था। शुक्रवार को जब वन अमले ने उसकी घेराबंदी की, तो वह मरणासन्न हालत में मिला। रेस्क्यू कर उसे लफदा चौकी लाया गया, लेकिन इलाज के नाम पर सिर्फ औपचारिकता हुई और शनिवार रात उसने दम तोड़ दिया। अब सवाल यह है कि क्या यह भालू पहले से संक्रमित था? अगर हाँ, तो विभाग ने पहले इसकी सुध क्यों नहीं ली?

जैतपुर में कुरकुरे का शौकीन भालू

इधर जैतपुर के रसमोहनी इलाके में भालू का खौफ किसी हॉरर फिल्म जैसा हो गया है। पिछले दो महीनों से एक भालू सडक़ों पर खुलेआम घूम रहा है, वाहनों पर चढक़र कुरकुरे खा रहा है और लोगों को डरा रहा है। इसी इलाके में भालू के हमलों से अब तक दो लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन वन विभाग अब भी सिर्फ निगरानी और तैयारी के नाम पर वक्त काट रहा है। बाजार तक भालू की पहुंच ने प्रशासन की चौकसी पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

जिम्मेदारों की चुप्पी और बढ़ती मौतें

गोहपारू रेंजर का कहना है कि भालू बुजुर्ग और बीमार था, लेकिन सवाल यह है कि क्या वन विभाग सिर्फ मौत का इंतजार कर रहा था? जैतपुर में भी भालू के आतंक को दो महीने बीत चुके हैं, फिर भी विभाग किसी बड़े हादसे के इंतजार में है। क्या आम आदमी की जान की कीमत वन विभाग की फाइलों से भी कम है?

इनका कहना है...

रसमोहनी क्षेत्र में देखे गए भालू को रेस्क्यू करने की तैयारी की जा रही है। रविवार रात पिंजरा लगाने की योजना है, ताकि भालू को सुरक्षित पकडक़र जंगल में छोड़ा जा सके।

श्रद्धा पेंद्रो
डीएफओ
दक्षिण वन मण्डल शहडोल

दिल्ली में सम्मानित हुईं धनपुरी की सीएमओ पूजा बुनकर

डिकार्बनाइजेशन में उत्कृष्ट कार्य पर राष्ट्रीय पहचान

शहडोल। अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित डिकार्बनाइजेशन भारतीय शहर संवाद एवं विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में शहडोल जिले की नगर परिषद धनपुरी को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली , नगर विकेंद्रीकरण पहल के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर धनपुरी की मुख्य नगरपालिका अधिकारी (ष्टरूह) सुश्री पूजा बुनकर को सम्मानित किया गया, यह सम्मान शहडोल जिले और प्रदेश के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है।

इस कार्यशाला में देशभर के नगर निकायों, शहरी विकास से जुड़े विशेषज्ञों एवं नीति निर्माताओं ने भाग लिया, कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय शहरों को कार्बन उत्सर्जन कम करने, पर्यावरण संरक्षण और सतत शहरी विकास की दिशा में सशक्त बनाना रहा,इस दौरान धनपुरी नगर परिषद द्वारा किए गए नवाचारों और पर्यावरण हितैषी प्रयासों की विशेष सराहना की गई।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के भारतीय देश प्रमुख एवं वरिष्ठ सलाहकार हितेश वैद्य ने धनपुरी नगर परिषद के कार्यों को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि धनपुरी जैसे छोटे शहर भी यदि ठोस इच्छाशक्ति और सही रणनीति के साथ काम करें तो वे न केवल देश बल्कि विश्व के लिए भी उदाहरण बन सकते हैं। यह साबित करता है कि डिकार्बनाइजेशन केवल बड़े महानगरों तक सीमित नहीं है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर ने सम्मान प्राप्त करने के बाद कहा कि नगर परिषद धनपुरी ने शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त करने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला से प्राप्त तकनीकी और नीतिगत ज्ञान का उपयोग धनपुरी के समग्र और पर्यावरण अनुकूल विकास में किया जाएगा, आने वाले समय में धनपुरी को प्रदेश की पहली डिकार्बनाइजेशन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस उपलब्धि पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, नगर परिषद कर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने खुशी जताई है। यह सम्मान धनपुरी नगर परिषद के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बरंगवा मेले में मौत का पलटा

आकाश झूला उतारते समय हाइड्रोलिक मशीन ढेर, मची भगदड़

शहडोल।

जिले की सीमा पर स्थित बरगवां मेले में रविवार को उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब विशालकाय आकाश झूले को उतारने में लगी एक भारी-भरकम हाइड्रा मशीन अचानक बेकाबू होकर पलट गई। पलक झपकते हुए हुए इस हादसे ने मेले की खुशियों को दहशत में बदल दिया। गनीमत रही कि खतरे को भांपते ही वहां मौजूद भीड़ ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई, वरना आज शहडोल एक बड़े खूनी हादसे का गवाह बन सकता था।

लापरवाही ने लिखा था तबाही का मंजर

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो यह हादसा प्रबंधन की घोर लापरवाही का नतीजा है। जब हाइड्रा मशीन झूले के भारी लोहे के ढांचों को नीचे उतार रही थी, तब सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे। अचानक मशीन का संतुलन बिगड़ा और वह तेज आवाज के साथ जमीन पर आ गिरी। मशीन के पलटते ही आसपास की दुकानों और दर्शकों में हडक़ंप मच गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हादसे के बाद मेले का वो कोना किसी युद्ध क्षेत्र जैसा नजर आने लगा।

सुरक्षा के नाम पर सिर्फ औपचारिकता

बरगवां मेला हर साल हजारों की भीड़ खींचता है, लेकिन इस बार सुरक्षा इंतजामों की पोल खुल गई है। भारी मशीनों के संचालन के दौरान आम जनता को वहां से दूर रखने का कोई इंतजाम नहीं था। सवाल यह उठता है कि इतनी भीड़-भाड़ वाली जगह पर बिना किसी ठोस सुरक्षा घेरे के भारी मशीनों का उपयोग कैसे किया जा रहा था? क्या मेला प्रबंधन किसी बड़ी जनहानि का इंतजार कर रहा था?

जांच की खानापूर्ति और पुलिस की कार्रवाई

हादसे की खबर मिलते ही चाचाई पुलिस और मेला समिति के सदस्य मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में काम रुकवाया गया और स्थिति को नियंत्रित किया गया। थाना प्रभारी ने घटनास्थल का मुआयना कर सुरक्षा मानकों की जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि मेला समिति अब लापरवाही की आशंका जताकर पल्ला झाड़ रही है, लेकिन हकीकत यह है कि इस घटना ने प्रशासन और सुरक्षा दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है कि आखिर इस तकनीकी विफलता का असली जिम्मेदार कौन है।

खबर संक्षेप

वर्षों से विकास की बाट जोह रहा छपडौर-कुदरी मार्ग जर्जर, सडक़ से 24 गांवों की जिंदगी प्रभावित

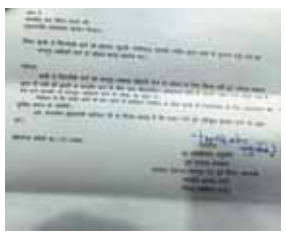

मानपुर। जनपद अंतर्गत छपडौर-कुदरी मार्ग बीते कई दशकों से विकास की बाट जोह रहा है। घने जंगलों से होकर गुजरने वाला यह मार्ग लगभग 50 वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग द्वारा गिट्टी वाली कच्ची सडक़ के रूप में बनाया गया था, जो आज अपनी बदहाल हालत पर आंसू बहा रहा है। समय के साथ सडक़ पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। टूटे हुए हिस्से, उखड़ी गिट्टी और बारिश के मौसम में कीचड़ इस मार्ग को अत्यंत जोखिम भरा बना देते हैं। हालत यह है कि दोपहिया और चारपहिया वाहनों का चलना तो दूर, पैदल आवागमन भी कठिन हो गया है। इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 24 गांवों के लोगों का आना-जाना होता है। खराब सडक़ के कारण स्कूल जाने वाले छात्र, बीमार मरीज, किसान, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक परेशान हैं। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कई बार संबंधित विभागों और प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक सडक़ निर्माण या मरम्मत को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। उपेक्षा से नाराज क्षेत्रवासियों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। हाल ही में ग्रामीणों ने माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी को ज्ञापन सौंपकर छपडौर-कुदरी मार्ग के शीघ्र पक्के निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग केवल सडक़ नहीं, बल्कि दर्जनों गांवों की जीवनरेखा है।

अवैध उत्खनन/परिवहन तथा भंडारण के रोकथाम/ नियंत्रण हेतु बैठक आज

उमरिया। राज्य शासन द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन/ परिवहन/ भंडारण की रोकथाम/ नियंत्रण हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन/ परिवहन तथा भंडारण के रोकथाम/ नियंत्रण हेतु 19 जनवरी को समय-सीमा की बैठक के पश्चात समय 12 बजे कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से नियत तिथि व समय पर उपस्थित होने कि अपेक्षा की गई है ।

शासकीय आईटीआई में एक दिवसीय अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन आज

उमरिया। प्राचार्य शासकीय आईटीआई उमरिया ने बताया कि शासकीय आईटीआई में एक दिवसीय अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 19 जनवरी को किया गया है। मेले में सुजुकी प्राइवेट लिमिटेड हंसलपुर कंपनी भाग लेगी। आईटीआई उत्ती र्ण पुरूष अभ्यपर्थी शामिल हो सकते है। आयु 18 से 26 आयु वर्ग निर्धारित की गई है । उन्होने कहा है कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र एवं बायोडाटा , सीव्ही रिज्यूम सहित नियत तिथि एवं दिनांक पर प्रातः 9.30 बजे साक्षात्कार हेतु उपस्थित होवे ।

14 मार्च को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। न्यायाधीश,सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 14 मार्च 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल,श्रम,मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित / प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जावेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जनमानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से 14 मार्च 2026 को निपटारा कराएं एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेमीफाइनल में रेलवे बिलासपुर

झांसी को दी सात विकेट से मात

बुढार ।

नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का चौथा क्वार्टर फाइनल रेलवे बिलासपुर और एनसीआर झांसी के बीच खेला गया, मैच में रेलवे बिलासपुर की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए एनसीआर झांसी पर 7 विकटों से जीत दर्ज। आज के मैच में टॉस के दौरान अतिथियों के तौर पर बुढार के युवा सीए मोहित विशनानी एवं अभयराज सिंह रहे जिन्होंने खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त किया एवं टॉस की औपचारिकताएं पूरी की।

टॉस जीतकर झांसी ने चुनी बल्लेबाजी

मैच का टॉस एनसीआर झांसी ने जीता और कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया , हालांकि झांसी की शुरुआत बहुत बेहतर नहीं रही लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत झांसी की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 185 रनों का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया , झांसी की ओर से शानदार बल्लेबाजी हुए मयंक तिवारी ने 69 और अर्पित ने 30 रन बनाए , बिलासपुर की ओर से गेंदबाज विक्रांत ने 3 विकेट और प्रवीण ने 2 विकेट लिए।

185 रनों के स्कोर को बौना साबित किया बिलासपुर ने

186 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर की टीम ने ताबड़तोड़ तरीके से अपनी बल्लेबाजी की शुरुआत की , पावर प्ले का फायदा उठाते हुए बिलासपुर की टीम ने शुरुआती 6 ओवरों में ही 75 रन बना कर झांसी के गेंदबाजों के हौंसले पस्त कर दिए ,बिलासपुर की टीम ने अपनी पूरी पारी के दौरान झांसी के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और यह मैच महज 13.3 ओवरों में अपने नाम कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, बिलासपुर के कप्तान मोहित राउत ने आतिशी पारी खेलते हुए 36 गेंदों पर 92 एवं पवन ने 28 गेंदों पर 58 रन बनाए , बिलासपुर की टीम ने यह मैच 7 विकटों से जीत लिया। बिलासपुर टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले कप्तान मोहित राउत को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हें राकेश मिश्र एवं जुगुल मिश्रा ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक

टूर्नामेंट में आज बिलासपुर टीम के प्रायोजक अनिल अग्रवाल, भारत कचेर , जय कुमार जालूजा एवं रवि द्विवेदी रहे जबकि झांसी टीम के प्रायोजक बद्री पांडे, विजय यादव , सुजीत चतुर्वेदी एवं संजय गौतम रहे । मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और नृपेंद्र सिंह ने की , जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद , अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला । पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला। मैच की समाप्ति के दौरान पुरस्कार समारोह में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा, राकेश पांडे, संजय पांडे , पुष्पेंद्र ताम्रकार इत्यादि उपस्थित रहे ।

ये हैं आयोजन समिति के सदस्य

इस पूरे आयोजन समिति के प्रमुख बुढार के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी तथा सदस्यों के रूप में अनिल सोनी , श्रीनिवास द्विवेदी, पवन नियर्सेस, अवधेश पांडे (पिंटू) , राजीव त्रिपाठी , राकेश त्रिपाठी , महेंद्र त्रिपाठी , योगेंद्र सिंह इत्यादि प्रमुख हैं ।

सिर चढ़कर बोल रहा नाबालिग बाइकर्स का आतंक

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर मे इन दिनों नाबालिग बाइकर्स का आतंक सिर चढ़कर बोल रहा है इनके आतंक से लोग परेशान है। लोगों ने बताया कि सुबह से लेकर रात तक नाबालिग लड़के एक ही बाइक में 3-4 लोग बैठ कर ऐसी 4-5 गाड़ियां जो नशे की अवस्था में अनियंत्रित और हाइस्पीड चलाते देखे जा रहे हैं। इतना ही नही यदि कोई व्यक्ति सड़क के किनारे खडा है तो उसे कट मारते हुए निकलते हैं। दो दिन पूर्व नगर के उत्कृष्ट विद्यालय तिराहा के पास ऐसे ही बाईकर्स तेज रफ्तार मे वाहन चलाते हुए एक व्यक्ति को हैण्डल से मारते हुए गिरा दिए इतना ही नही यह एक दिन का नही है रोजाना की घटना हो गई है। इतना ही नही इनके वाहनों मे कानफोडू साइलेंसर लगे होने से भी लोग परेशान है। गुरूवार को दोपहर एक बजे के बीच मंगल भवन के पास तीन मोटर साइकिल मे अलग अलग तेज रफ्तार में दो पहिया वाहन को फर्राटे भरते लोगों ने देखा तो रोककर नाबालिग वाहन चालकों को फटकार भी लगाई। इन पर रोक लगाया जाना अत्यंत आवश्यक है वरना इस तरह की लापरवाही बड़ी घटना को अंजाम दे सकती है। नागरिकों ने थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल से ऐसे नाबालिग वाहन चालकों पर कार्यवाही करने के साथ ही इनके अभिभावकों पर भी कार्यवाही करने की मांग की है जिससे इनके आतंक से निजात मिल सके।

इनका कहना है

चेकिंग अभियान चलाते हुए ऐसे वाहनों चालकों पर कार्यवाही की जायेगी। यदि वाहन चालक नाबालिग है तो उनके अभिभावकों पर कार्यवाही की जाएगी।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी कोतमा

वन परिक्षेत्र पतौर के बमेरा तिराहा कैंप में अनुभूति कैंप संपन्न

उमरिया।

क्षेत्र संचालक एवं उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया द्वारा दिए गए निर्देशानुसार बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतर्गत वन परिक्षेत्र पतौर के बमेरा तिराहा कैंप मे अनुभूति कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को पक्षी दर्शन कराया गया, बी ईटर,मोर,वायर टेल्ड स्वैलो,ग्रीन पीजन पौंड कौवा तोता,प्रत्यक्ष दिखाया गया । साल, गुर्जा, पकरी सेझी, साजा , सलाई, तेंदू, पलाश, अमलतास, नीलगिरि, महुआ, धवा, रोहन, बेरीं आदि पेड़ों की पहचान व उपयोग करना सिखाया गया। दीमक के घर की संरचना, पर्यावरण मे उपयोग के बारे में बताया गया। चीतल सांभर हनुमान लंगूर, आदि वन प्राणी प्रत्यक्ष दर्शन कराया,बाघ का पगमार्क व विस्ठा दिखाया गया। अनुभूति थीम सॉन्ग हम हैं धरती के दूत सुनाया जिस पर बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया तितली मधुमक्खियां के प्रकृति के लिए महत्व के बारे में बताया गया।सांपों का महत्व, विशैले सर्पों की पहचान करना और स्नेक बाइट होने पर स्नेक बाइट मैनेजमेंट के बारे में बताया गया। बाघ तेंदुआ हाथी भालू अन्य वन प्राणियों के व्यवहार और उनसे बचाव के बारे में चर्चा की गई। मैं कौन हूं खेल के माध्यम से सभी वन्य प्राणियों का परिचय कराया गया साथ ही फीडबैक फॉर्म भराया गया और शपथ दिलाई गई।क्विज के माध्यम से बच्चों में नए रोचक जानकारी प्रस्तुत की गई ।बच्चों की रुचि अनुसार शिक्षाप्रद नृत्य और गायन कराया गया।

क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के द्वारा बच्चों को अनुभूति के विषय मे,वन एवं वन्य प्राणियों तथा पर्यावरण के संरक्षण के विषय में बताया गया तथा कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, मानपुर एसडीएम हरनीत कौर कलसी,सहायक संचालक, बीएमओ मानपुर,वन परिक्षेत्र पनपथा बफर ,वन परिक्षेत्र पतौर सुश्री अंजू वर्मा,प्रेरक चंद्रमोहन खरे,कमलेश नंदा, सहित स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश संगोष्ठी संपन्न

उमरिया।

मप्र सरकार की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाने एवं सरकार की हितग्राही मूलक जन कल्याणकारी योजनाओं कि जानकारी देने के उद्देश्य से मैदानी स्तर पर स्वामी विवेकानंद जयंती से 26 जनवरी तक ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान जलाया जा रहा है । इसी तारतम्य में रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय प्रांगण में मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड करकेली द्वारा विकासखंड स्तरीय ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश संगोष्ठी का आयोजन एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम मानपुर ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों के सशक्त होने से ही राष्ट्र का समग्र विकास संभव है। जब गांव आत्मनिर्भर, शिक्षित और सशक्त होंगे, तभी राष्ट्र समर्थ बनेगा। ग्रामोदय ही अभ्युदय का मूल आधार है। उन्होंने ग्रामीण विकास, स्वावलंबन, महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं की भागीदारी पर विशेष जोर दिया। साथ ही सामाजिक समस्या पर्यावरण संरक्षण,स्वदेशी वस्तुओं एंव संस्कार संरक्षण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मंच का संचालन परामर्शदाता संतोष त्रिपाठी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन दीपक नामदेव, परामर्शदाता - राघवेंद्र द्विवेदी, जयभारती साहू, सुनीता सिंह, सोनाली तिवारी सहित सीएमसीएलडीपी छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

विद्या निकेतन बदरा में जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा संपन्न

577 में से 557 छात्रों ने ली सहभागिता

हरिभूमि न्यूज बदरा।

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल (मध्यप्रदेश) के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा का दो दिवसीय आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विद्या निकेतन भदरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा 16 एवं 17 जनवरी को विभिन्न पालियों में आयोजित की गई। जिला परियोजना समन्वयक आशुतोष कुशवाहा एवं बीआरसीसी राजमणि पांडेय के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस परीक्षा में जिले भर से चयनित मेधावी विद्यार्थियों ने भाग लिया। केंद्र अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार तिवारी एवं सहायक केंद्र अध्यक्ष शिवनारायण शर्मा के साथ घनश्याम चंदेल और उदित नारायण पांडेय ने परीक्षा संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परीक्षा के दौरान अनुशासन एवं पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया। परीक्षा को विषयवार एवं स्तरवार 3 से 4 पालियों में विभाजित किया गया जिसमें प्राथमिक स्तर (कक्षा 2 से 5) एवं माध्यमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कुल चयनित 577 छात्रों में से 557 छात्रों ने परीक्षा में सहभागिता की। दूर-दराज से आए विद्यार्थियों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिसकी देखरेख उदय शरण प्रजापति एवं सच्चिदानंद मिश्रा ने की। बीआरसीसी पांडेय ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, प्रतिस्पर्धा की भावना और आत्मविश्वास को मजबूत करती हैं अंत में सफल आयोजन के लिए समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा में शनिवार को सुनाया गया श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर के वार्ड क्रमांक एक में सिद्ध विनायक दुर्गोत्सव समिति के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में भगवताचार्य सुश्री लक्ष्मी निधि बहन जी के सानिध्य मे शनिवार को श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग सुनाया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह को एकाग्रता से सुना। श्रीकृष्ण-रुक्मणि का वेश धारण किए बाल कलाकार भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने विवाह के मंगल गीत गाए। प्रसंग में कथावाचक भगवताचार्य सुश्री लक्ष्मी निधि बहन जी ने कहा कि रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्म की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी जी का अवतार थी। रुक्मणी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनी तो उसने मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मणी का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह चेदिनरेश राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था। रुक्मणी को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने एक ब्राह्मण संदेशवाहक द्वारा श्रीकृष्ण के पास अपना परिणय संदेश भिजवाया। तब श्रीकृष्ण विदर्भ देश की नगरी कुंडीनपुर पहुंचे और वहां बारात लेकर आए शिशुपाल व उसके मित्र राजाओं शाल्व, जरासंध, दंतवक्त्र, विदु रथ और पौंडरक को युद्ध में परास्त करके रुक्मणी का उनकी इच्छा से हरण कर लाए। वे द्वारिकापुरी आ ही रहे थे कि उनका मार्ग रुक्मी ने रोक लिया और कृष्ण को युद्ध के लिए ललकारा। तब युद्ध में श्रीकृष्ण व बलराम ने रुक्मी को पराजित करके दंडित किया। तत्पश्चात श्रीकृष्ण ने द्वारिका में अपने संबंधियों के समक्ष रुक्मणी से विवाह किया। भागवत आरती में भारी संख्या में महिलाएं एवं पुरूष मौजूद रहे। शनिवार को भागवत कथा के दौरान श्री कृष्ण रुक्मणी का विवाह आयोजित किया गया बारात नगर के शारदा काली मंदिर से बडे ही धूमधाम से निकाली गई जिसमें रथ में विराजमान भगवान की बारात निकाली गई जिसमें बैड बाजे के साथ लोगों ने जमकर नाच गाना भी किया आतिशबाजी की गई बारात में जमकर पुष्प वर्षा की गई। बारात जैसे ही वार्ड क्रमांक एक मे भागवत कथा स्थल पहुंची तो बारातियों का जमकर स्वागत किया गया।

विशेष पिछड़ी जनजाति को लाभान्वित करने के किए जा रहे प्रयास-दिलीप जायसवाल

ग्राम कटकोना में बैगा हितग्राहियों को वितरित की गई दुधारू पशुधन भैस इकाई

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनकल्याण की दिशा में सम्पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। जनजातीय समाज के लिए विशेष तौर पर अति पिछड़ी जनजाति के उत्थान के लिए डबल इंजन की सरकार लगातार कार्य कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ ही प्रधानमंत्री जन-मन योजना के तहत बड़े पैमाने पर जरूरतमंदों को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है।

सड़क, आवास, राशन, स्कूल, आंगनबाड़ी, विद्युतीकरण, मोबाइल टॉवर की स्थापना का कार्य पीएम जन-मन योजना के तहत विशेष पिछड़े क्षेत्रों में करने का कार्य किया जा रहा है। इसी योजना के तहत मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजनांतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा हितग्राहियों को स्वावलम्बी बनाने के लिए दुधारू पशुधन भैस इकाई प्रदान की जा रही है। राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल विकासखण्ड कोतमा के ग्राम कटकोना के गौशाला परिसर में आयोजित बैगा हितग्राहियों को दुधारू पशुधन भैस इकाई वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

बैगा हितग्राहियों को राज्यमंत्री ने प्रदाय की दुधारू पशुधन भैस इकाई

मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजनांतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा हितग्राहियों को दुधारू पशुधन भैस इकाई तथा स्वीकृति पत्रक का वितरण राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल द्वारा किया गया। हितग्राही मोहन बैगा, जय प्रकाश बैगा, विकास बैगा, शुखलाल बैगा सहित कुल 15 हितग्राहियों को 01 नग दुधारू पशुधन भैस इकाई का प्रदाय किया गया। योजनांतर्गत 90 प्रतिशत अनुदान तथा 10 प्रतिशत अंशदान का प्रावधान है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कोतमा जीवन सिंह, जनपद सदस्य राम खेलावन तिवारी, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. बीबी चौधरी, डॉ. योगेश दीक्षित, सहित जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष तथा हितग्राही उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़, आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पुलिस ने एक नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़ की घटना के मामले में आरोपी रामजी गुप्ता के खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को दोपहर करीब 1:30 बजे एक पांच वर्षीय बच्ची मोहल्ले में स्थित रामजी गुप्ता की दुकान पर चिप्स खरीदने गई थी जब बच्ची घर वापस नहीं लौटी, तो उसके परिवार के सदस्य दुकान गए वहां आरोपी ने बच्ची को अपनी गोदी में बिठाकर अश्लील हरकत की, जिसे देख कर बच्ची को तुरंत वहां से उतारा गया। बच्ची ने घर लौटकर घटना की जानकारी दी। उसके परिवार ने तुरंत थाने में लिखित आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने आरोपी रामजी गुप्ता के खिलाफ धारा 74, 75 (1) (प) बीएनएस और 9 (उ), 10 पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिवधाम में गूंजेगा भागवत ज्ञान श्रीमद् भागवत कथा सत्संग

हरिभूमि न्यूज कोतमा। बाल व्यास श्री हित उन्नति किशोरी जी के श्रीमुख से होगा दिव्य कथा-वाचन, श्रद्धालुओं को मिलेगा अमृतमयी ज्ञान का सौभाग्य। जमुना कालोनी स्थित शिव मंदिर शिवधाम में 13 फरवरी से 19 फरवरी तक साप्ताहिक ज्ञान श्रीमद् भागवत कथा सत्संग का आयोजन होने जा रहा है। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में बाल व्यास श्री हित उन्नति किशोरी जी के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का मधुर वाचन होगा। कथा के माध्यम से भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का दिव्य संगम प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन में क्षेत्र के समस्त भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं को कथा-श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त होगा। मंदिर समिति ने सभी धर्म प्रेमियों से अपील करते हुए कार्यक्रम मे पहुचने की अपील की है।

रेत के अवैध परिवहन पर ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

उमरियापान। तहसील क्षेत्र ढीमरखेड़ा में रेत का अवैध खनन एवं परिवहन लगातार जारी है। रेत कारोबार से जुड़े लोग दिन-रात अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर खुलेआम परिवहन कर रहे हैं। इसी क्रम में उमरियापान पुलिस ने बुधवार को वाहन चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।एएसआई कोदूलाल दाहिया द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान एक लाल रंग की ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका गया। ट्रॉली में रेत भरी होने पर चालक से रेत परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए। चालक कोई भी कागजात नहीं दिखा सका। दस्तावेजों के अभाव में पुलिस ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराते हुए वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

दुष्कर्म के आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कटनी। बिलहरी चौकी पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना कुठला में दर्ज अपराध क्रमांक 10/26, धारा 64(1), 296, 115(2), 351(2), 351(3) बीएनएस के तहत फरार चल रहे आरोपी गोलू उर्फ रामकृष्ण चौधरी पिता विनोद चौधरी 22 वर्ष निवासी ग्राम बड़गांव थाना कुठला के पन्ना जिले में छिपे होने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए चौकी प्रभारी बिलहरी उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय द्वारा तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया।

प्राथमिक शाला मंगेली के बच्चों को बांटे स्वेटर-टोपा

उमरियापान। जनपद शिक्षा केंद्र ढीमरखेड़ा की शासकीय प्राथमिक शाला मंगेली के सभी अध्ययनरत विद्यार्थियों को सर्दी से राहत देने के उद्देश्य से स्वेटर एवं टोपा वितरित किए गए। समाजसेवी पूर्व सरपंच श्रीमती सुनीता/ कल्लू पटेल एवं ओम प्रकाश यादव द्वारा किया गया। स्वेटर एवं टोपा पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

लीनेस क्लब बुढ़ार ने मकर संक्रांति पर आंगनवाड़ी के नन्हें बच्चों को दिया स्नेह और सुरक्षा का उपहार

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय लीनेस क्लब बुढ़ार द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर एक सराहनीय सेवा कार्य करते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों के नन्हे बच्चों को ठंड से बचाव हेतु स्वेटर वितरित किए गए।

धनपरी।

कड़ाके की ठंड के मौसम में यह पहल बच्चों के लिए न केवल राहतकारी साबित हुई, बल्कि उन्हें अपनत्व, सुरक्षा और स्नेह का एहसास भी कराती नजर आई।कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र का वातावरण बच्चों की मुस्कान और उत्साह से खिल उठा। लीनेस क्लब की अध्यक्ष श्रीमती बिंदा भगत ने इस अवसर पर कहा कि"समाज की सच्ची सेवा वहीं से शुरू होती है, जहां सबसे अधिक देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता होती है। नन्हे बच्चों की मुस्कान ही हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार और प्रेरणा है।"उन्होंने आगे कहा कि बच्चों का स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल भविष्य ही किसी भी समाज की मजबूत नींव होता है, और लीनेस क्लब इसी उद्देश्य से निरंतर सेवा कार्यों में जुटा हुआ है।इस सेवा कार्यक्रम में क्लब की सचिव श्रीमती अंजू दुआ, कोषाध्यक्ष श्रीमती अर्चना ओझा सहित सदस्य प्रतिमा जैन, नागमणि मानिकपुरी, साधना अग्रवाल, अंजना जैन, जस्मीत कौर एवं अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी सदस्यों ने स्वयं बच्चों को स्वेटर पहनाए, उनसे संवाद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों के चेहरों पर उमड़ती खुशी और उत्साह ने इस कार्यक्रम को भावनात्मक और यादगार बना दिया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं बच्चों के अभिभावकों ने लीनेस क्लब के इस मानवीय और संवेदनशील प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्य समाज में सकारात्मक सोच और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।कार्यक्रम के समापन पर लीनेस क्लब बुढ़ार की ओर से यह संकल्प दोहराया गया कि भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं जरूरतमंदों की सेवा के लिए क्लब द्वारा निरंतर इसी भावना के साथ कार्य किए जाते रहेंगे।

मजदूर संघ ज्ञापन दिया

धनपुरी शहडोल

ठेका मजदूर संघ एच, एम, एस, ने स्थानीय पूर्व मे कार्यरत कर्मचारियों को रोजगार देने की मांग को लेकर जिला प्रशासन व एस, ई, सी, एल प्रबंधक को ज्ञापन दिया गया व मांग की गई जो पूर्व मे कार्यरत कर्मचारी थे उन्हें कार्य मे नहीं रखा गया बल्कि झारखण्ड, ओडिशा, बिहार, उप्र, से बाहर के कर्मचारियों को बुला कर कार्य मे रखा जा रहा है जिससे स्थानीय कर्मचारी बेरोजगार कंपनी के चक्कर लगा रहें है ठेका मजदूर संघ ने मांग की है अगर एक सप्ताह के अंदर पूर्व कर्मचारियों की नियुक्ति का निराकरण नहीं होता तो ठेका मजदूर संघ कार्य को बाधित करेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी rktc प्रबंधक व कालरी प्रबंधक की होगी

नल-जल योजना के नाम पर मजबूत सीसी सड़क बर्बाद

ड्रिल मशीन और जेसीबी से लाखों की सड़क खोदी, ग्रामीणों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज बदरा।

सकोला क्षेत्र के बदरा अंतर्गत पूर्णा टोला में नल-जल योजना की पाइपलाइन ले जाने के नाम पर बनी-बनाई मजबूत सीसी सड़क को ड्रिल मशीन और जेसीबी लगाकर बुरी तरह खोद दिया गया। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि नल-जल योजना के तहत पानी मिलना अच्छी और जरूरी बात है, लेकिन इसके लिए लाखों रुपये की नई सीसी सड़क को इस तरह बर्बाद करना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क दिनेश सिंह के घर के पास से होकर गुजरती है, जिसे पाइपलाइन डालने के लिए पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। सड़क टूटने से आवागमन में भारी परेशानी हो रही है वहीं भविष्य में दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि यदि पाइपलाइन डालना आवश्यक था तो तकनीकी तरीके से सीमित कटिंग कर कार्य किया जाना चाहिए था लेकिन यहां पूरी सड़क को जेसीबी से उखाड़ दिया गया। ग्रामीणों ने मांग की है कि जिस तरह सड़क को खोदा गया है उसी गुणवत्ता और मजबूती के साथ उसे पुनः बनाया जाए। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सड़क का तत्काल पुनर्निर्माण नहीं किया गया तो वे नल-जल योजना के कार्य का जमकर विरोध करेंगे। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग ग्रामीणों की इस जायज मांग पर क्या कार्रवाई करता है।

नगर पालिका की अनदेखी से बढ़ा स्वास्थ्य संकट

कॉलेज कॉलोनी में निस्तार नाली ध्वस्त, गंदगी और बदबू से नागरिक त्रस्त

धनपुरी।

नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत बुढार वार्ड क्रमांक-2 की कॉलेज कॉलोनी में निस्तार की मुख्य नाली (ड्रेनेज सिस्टम) पूरी तरह क्षतिग्रस्त एवं अवरुद्ध हो चुकी है। नई प्लाटिंग के दौरान नाली टूट जाने से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था ठप पड़ गई है, जिसके चलते सड़कों व घरों के सामने गंदा पानी जमा हो रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि पूरे क्षेत्र में दुर्गंध, कीचड़ और गंदगी फैल गई है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नाली का गंदा पानी खुले में बहने से मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे नागरिकों में आक्रोश व्याप्त है।कॉलेज कॉलोनी, पुरानी आंगनबाड़ी केंद्र के पास निवासरत रहवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर मुख्य नगरपालिका परिषद अधिकारी, धनपुरी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि निस्तार की नाली टूटने से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है और लोगों को अपने घरों से निकलना मुश्किल हो गया है।ज्ञापन में भान सिंह, लक्ष्मण सिंह सहित अन्य नागरिकों के हस्ताक्षर हैं। रहवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि निस्तार की मुख्य नाली का तत्काल सुधार एवं पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि जल निकासी सुचारु हो सके और क्षेत्र को गंदगी व बीमारी से बचाया जा सके।अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नगर पालिका प्रशासन इस जनस्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्या पर कब तक ठोस कदम उठाता है या नागरिकों को यूं ही बदबू और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ेगा।

जिले में गणतंत्र दिवस समारोह के लिए अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

हरिभूमि न्यूज कटनी

जिले में हर्षोल्लास से उत्साहपूर्वक गणतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। मुख्य समारोह के आयोजन के लिये जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर अधिकारियों को कार्य दायित्व सौंपे जाकर समारोह की व्यवस्थाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे पुलिस लाइन ग्राउंड, झिंझरी में आयोजित किया जाएगा। समारोह में परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न विभागों की झांकियों का प्रदर्शन मुख्य आकर्षण होगा। परेड के मूल्यांकन के लिए जिला सैनिक कल्याण बोर्ड को सेवानिवृत्त द्वितीय श्रेणी सैन्य अधिकारियों का निर्णायक मंडल गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य समारोह से पूर्व प्रातः 7:45 बजे कलेक्ट्रेट परिसर और प्रातः 8 बजे कलेक्टर निवास पर ध्वजारोहण किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रगीत का गायन किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी को म्यूजिक सिस्टम और बच्चों के सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

शाम को 'भारत पर्व'

गणतंत्र दिवस की शाम 4:00 बजे नगर निगम ऑडिटोरियम (बस स्टैंड के पास) में 'भारत पर्व' का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ जिले के बाहर के अतिथि कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

समारोह के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को परेड रिहर्सल प्रारंभ से लेकर 26 जनवरी तक कार्यक्रम स्थल पर डॉक्टरों की टीम, एम्बुलेंस और पर्याप्त दवाओं के साथ तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को शील्ड और मोमेंटो वितरण की जिम्मेदारी जिला आबकारी अधिकारी को सौंपी गई है। वहीं, कार्यक्रम के सुचारू संचालन और 'मिनट-टू-मिनट' कार्यक्रम तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित की गई है, जो संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में कार्य करेगी।

कन्या महाविद्यालय में उद्यमिता और स्टार्टअप विषय पर कार्यक्रम

युवा पीढ़ी अपनी प्रतिभा और विचारों से समाज व राष्ट्र को ऊंचाईयां देते हैं

हरिभूमि न्यूज कटनी

छात्राओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने, स्टार्टअप की संभावनाओं से अवगत कराने तथा नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शासकीय कन्या महाविद्यालय, में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर उद्यमिता और स्टार्टअप विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन और विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अर्पित द्विवेदी के कुशल संयोजन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि आज के युवा भारत की आर्थिक प्रगति के प्रमुख चालक हैं। उन्होंने छात्राओं को नव उद्यमी बनने, नवाचार और सृजनात्मकता के बल पर देश की आर्थिक विकास गति को और तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवा पीढ़ी यदि अपनी प्रतिभा और विचारों को सही दिशा में लगाए तो न केवल व्यक्तिगत सफलता प्राप्त कर सकती है, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी रोजगार के नए अवसर सृजित कर सकती है।

वहीं कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित शासकीय महाविद्यालय, बरही के अतिथि विद्वान डॉ. के.के. निगम ने अपने व्याख्यान में वर्तमान भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी से बढ़ती गति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज के युवा उद्यमिता और स्टार्टअप के माध्यम से देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. निगम ने स्टार्टअप इकोसिस्टम में उपलब्ध विभिन्न अवसरों, सरकारी योजनाओं, फंडिंग के स्त्रोतों तथा सफल उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशलों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. रंजना वर्मा, डॉ. संजयकांत भारद्वाज और मीनाक्षी वर्मा ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. विमला मिंज, डॉ. अमिताभ पाण्डेय, के.जे. सिन्हा, डॉ. सुनील कुमार, बंदना मिश्रा, शिल्पी सिंह, मिथलेश्वरी, पंकज सेन, डॉ. अशोक शर्मा, भीम बर्मन, प्रेमलाल कॉवरे, देववती चक्रवर्ती, प्रियंका सोनी आदि मौजूद रहीं।

संयुक्त दल ने लुहरवारा का किया निरीक्षण

उमड़ार नदी के किनारे मिली कोयले की सीम

हरिभूमि न्यूज कटनी

बड़वारा तहसील के ग्राम लुहरवारा में खनिज विभाग की टीम को सर्वेक्षण के दौरान कोयले की सीम (Coal Seam) मिलने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। इस खोज के बाद अब जिले में नई कोयला खदानें खुलने की प्रबल संभावना बढ़ गई है। हाल ही में खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव और खनिज संचालक फ्रेंक नोबेल द्वारा नए खनिज ब्लॉकों को चिन्हित कर उनकी नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए थे। इसी कड़ी में कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में गठित जिला स्तरीय प्री-ऑक्शन कमेटी और क्षेत्रीय प्रमुख

भौमिकी तथा खनिकर्म जबलपुर की अगुवाई में एक संयुक्त दल ने लुहारवारा क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया।

सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि उमरार नदी के प्राकृतिक कटाव के कारण जमीन के भीतर मौजूद कोयले की परतें (सीम) सतह पर ही दिखाई देने लगी हैं संयुक्त दल ने मौके पर विभिन्न स्थानों से कोयले के नमूने एकत्रित किए हैं। प्रथम दृष्टया क्षेत्र में भारी मात्रा में कोयले का विस्तार और

रेत के अवैध परिवहन पर संयुक्त टीम ने की कार्यवाही, दो वाहन जब्त

कटनी। जिला टास्क फोर्स की बैठक में कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के दिए निर्देशों के पालन में खनिज ,राजस्व और पुलिस अमले द्वारा लगातार अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यवाहियां की जा रही है। इसी कड़ी में ढीमरखेड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम पिपरिया शुक्ल में कछरी भूमि में रेत का उत्खनन करते पाए जाने पर एक वाहन जब्त किए गए। इन वाहनों को तहसीलदार के सहयोग से थाना उमरियापान में खड़ा कराया गया है । इसके बाद सूचना मिलने पर बरही तहसील के ग्राम ताली रूहानिया में औचक निरीक्षण के दौरान एक ट्रेक्टर ट्रॉली रेत का बिना ईटीपी के साथ परिवहन करते जब्त किया गया। इसे सुरक्षार्थ पुलिस थाना बरही में खड़ा कराया गया ।दोनों मामलों में अवैध परिवहन के प्रकरण पंजीबद् किए गए ।जिनमे जुर्माना की कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रेषित

विकासखंड स्तर पर 20 जनवरी से लगेंगे शिविर

हरिभूमि न्यूज कटनी

प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजनाा के तहत कटनी जिले के 559 किसानों को सोलर पंप का लाभ दिया जाना है। इन किसानों को सोलरपंप योजना से लाभान्वित कराने कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में 20 जनवरी से विकासखण्ड स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

इसके लिये कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी विकासखंड के कृषि विकास अधिकारियों, ऊर्जा विकास निगम के प्रभारी, सेंट्रल बैंक के प्रबंधक, लीड बैंक प्रबंधक और एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को कार्य दायित्व सौंपते हुये शिविरों में उपस्थित रहकर किसानों की मदद करने के निर्देश दिये हैं।कलेक्टर द्वारा आदेश के अनुसार विकासखंड बहोरीबंद और ढीमरखेड़ा में 20 जनवरी को, विकासखंड विजयराघवगढ़ और रीठी में 22 जनवरी को, विकासखंड कटनी और बड़वारा में 23 जनवरी को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक संबंधित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में शिविर आयोजित किये जायेंगे।

नकली व मिलावटी दूध से लोग हो रहे बीमारियों के शिकार, डेयरी संचालक से लेकर छोटे ग्वाले भी कर रहे जिंदगी से खिलवाड़

जिले मे धड़ल्ले से चल रहा सफेद दूध का काला धंधा

इस समय दूध की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। जिला मुख्यालय व इसके आसपास के क्षेत्रो मे बड़ी संख्या में दूध में मिलावट की जा रही है और लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यह कारोबारियों का मुनाफा बढ़ाने वाला खेल है इसलिए लोगों के स्वास्थ्य की कीमत पर भी खेला जा रहा है। दूध को घरों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में स्वच्छता का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा जाता है। जिन बर्तनों में दूध रखा जाता है उनमें लगा डिटर्जेंट भी ठीक से धुल नहीं पाता है और सीधा दूध में मिल जाता है। इसके अलावा दूध में यूरिया, स्टार्च, ग्लूकोज, फॉर्मेलिन के साथ डिटर्जेंट की मिलावट भी धड़ल्ले से की जा रही है। ये सभी पदार्थ दूध में इसलिए मिलाए जाते हैं ताकि दूध को और गाढ़ा बनाया जा सके, उसमें फैट कम न हो और फिर इन्हें मिलाने से दूध को ज्यादा समय तक सहेजना भी संभव हो सके।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारत जैसे देश में जहां बड़े पैमाने पर दूध उत्पादन असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जाता है जिनमें छोटे ग्वाले या दूधवाले शामिल हैं वे अक्सर दूध को उपभोक्ता तक पहुंचाने की प्रक्रिया में साफ-सफाई का विशेष ख्याल नहीं रखते हैं। जिले मे मिलावटखोर जहां जानबूझकर दूध में ऐसे तत्व मिलाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं तो ये छोटे दूधवाले दूध के संरक्षण की सही प्रक्रिया से ही अनजान हैं। दूध में पानी की मिलावट किसी भी व्यक्ति को सामान्य बात लग सकती है लेकिन यह सभी तरह की मिलावट में सबसे खतरनाक है। दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए उसमें मिलाया जाने वाला पानी अमूमन दूषित होता है जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही ज्यादा घातक है। जब दूध में पानी की मिलावट रहती है तो उसका स्वाद बदल जाता है। ऐसे दूध को जब गर्म किया जाता है तो कितना भी गर्म करने पर वह बर्तन से बाहर नहीं आता है।

चाय भी बनती है बेस्वाद

मिलावटी दूध से बनने वाली चाय बेस्वाद ही रहती है और निकलने वाली मलाई भी कम हो जाती है। जो लोग दूध में पानी की मिलावट करते हैं उन्हें पकडे जाने का भय होता है क्योंकि दूध की गुणवत्ता प्रभावित होती है और इससे बचने के लिए वे दूध का गाढ़ापन, स्वाद और घनत्व बढ़ाने के लिए उसमें यूरिया, स्टार्च, फॉर्मेलिन, डिटर्जेंट, स्किम मिल्क पावडर, न्यूट्रालाइजर्स सहित कुछ अन्य तत्वों की मिलावट करते हैं। मिलावट का सारा कारोबार मुनाफे के लालच से जुड़ा है। जिला मुख्यालय व आसपास के क्षेत्र मे डेयरी वाले भी रातोरात करोडपति बनने के फेर मे ग्राहको की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं वही खाद्य एवं औषधि विभाग चंद सिक्को के फेर मे अपनी मूक सहमति दिये हुये है।

कैंसर से मौत तक का खतरा

आहार विशेषज्ञों के अनुसार अभी तक तीन सफेद खाद्य वस्तुओं को स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना गया था जिनमें नमक, शक्कर और मैदा शामिल थी लेकिन अब इसमें दूध भी शुमार हो गया है। द इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि डिटर्जेंट के कारण खाद्य विषाक्तता (फूड पॉइजनिंग) और आंतों और पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा दूध में मिलावट के कारण हृदय संबंधी समस्या, कैंसर और कई बार मृत्यु तक हो सकती है। जिस दूध में यूरिया, कास्टिक सोड़ा या फॉर्मेलिन की मिलावट है उसे पीने से तुरंत पेट संबंधी दिक्कतें शुरू होती हैं और लंबे समय में यह गंभीर बीमारी में बदल जाती है जो जानलेवा हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी थी समझाइश

दूध में मिलावट के खतरे को भांपते हुए जुलाई 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मिलावटखोरों से कडे तरीके से निपटना चाहिए और इसके लिए आजीवन कारावास का प्रावधान होना चाहिए। कोर्ट ने सरकार को इस दिशा में पहल करने के लिए भी कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि दूध में मिलावट करने वालों को मात्र छह महीने की सजा देकर छोड़ा नहीं जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने दूध में मिलावट के मामले को गंभीरता से लेते हुए इसके लिए छह महीने की सजा के बजाय आजीवन कारावास की सजा हेतु सरकार को पहल करने को कहा था। इसके अलावा कोर्ट ने दूध में मिलावट के कारोबार को रोकने के लिए नियमित रूप से जांच करने के आदेश भी दिए थे। दूध में मिलावट के बढ़ते चलन और इससे होने वाले स्वास्थगत खतरों को देखते हुए सजा के इस कदम का स्वागत किया ही जाना चाहिए।

ऐसे करें दूध का परीक्षण

यूरिया की पहचान के लिए टेस्ट- 5 मिली दूध को 5 मिली पैराडिमिथाइल अमीनो बेंजल्डिहाइड के साथ अच्छे से मिलाइए। यह यह मिश्रण पीला हो जाता है तब दूध के इस सैंपल में यूरिया की मिलावट तयशुदा है।

संथेटिक दूध को पहचानें- सिंथेटिक दूध का स्वाद कुछ कडवापन लिए होता है। उंगलियों के बीच इस रगड़ने पर साबुन जैसा चिकनापन लगता है। गर्म करने पर पीला भी पड़ जाता है।

स्टार्च की मिलावट का टेस्ट- 3 मिली दूध को गर्म कीजिए। इसके बाद दूध को कमरे के तापमान पर ठंडा करके उसमें 2-3 बूंद आयोडिन की मिलाइए। नीला रंग आपको बता देगा कि दूध में स्टार्च की मिलावट की गई हैं।

ग्लूकोज की मिलावट का टेस्ट- डायसेटिक स्ट्रिप को लेकर दूध में 30 सेकंड से 1 मिनट तक डुबाकर रखिए। अगर इस स्ट्रिप का रंग बदल जाता है तो पता चलता है कि दूध में ग्लूकोज मिलाया गया है।

क्या-क्या मिलाया जाता है दूध में

दूध में जिन पदार्थों की मिलावट की जाती है उनसे शरीर को किस तरह नुकसान पहुंचता है उसे ऐसे समझें-

यूरियाः सिंथेटिक मिल्क में फैट वैल्यू बढ़ाने के लिए यूरिया मिलाया जाता है। यह आंतों और पाचन तंत्र पर बुरा असर डालता है।

डिटर्जेंटः इसकी मदद से भी फैट वैल्यू बढ़ती है मगर स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

फॉर्मेलिनः आमतौर पर पाश्चुरीकृत दूध 4 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर 48 घंटे तक रखा जा सकता है। मगर कारोबारी दूध को ज्यादा दिनों तक रखने के लिए उसमें फॉर्मेलिन की मिलावट करते हैं। यह ऑर्गन फेल्योर की स्थिति ला देता है। साथ ही आंतों और पाचन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करता है।

शुगरः लैक्टोमीटर पर रीडिंग बढ़ाने के लिए के लिए, पानी की मिलावट छुपाने के लिए दूध में शुगर मिलाई जाती है। अगर पानी अशुद्ध है तो बड़े पैमाने पर फैलने वाली बीमारी की चपेट में आप आ सकते हैं।

नमकः लैक्टोमीटर रीडिंग से बचाव के लिए पानी वाले दूध में नमक मिला दिया जा है। इससे भी दूध की पौष्टिकता कम हो जाती है।

पृकति के संतुलन हेतु वनों को बचाए रखना आवश्यक-पुरी

किरर, पडमनिया में अनुभूति के माध्यम से बच्चों ने जाना जंगल का संसार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश ईको पर्यटन बोर्ड द्वारा बच्चों के माध्यम से वन वन्यप्राणी प्रकृति के संतुलन बनाए रखने के लिए आयोजित अनुभूति शिविर का आयोजन अनूपपुर वन परिक्षेत्र के वन चौकी किरर एवं अहिरगवा वन परिक्षेत्र के वन चौकी पडमनिया में विद्यार्थियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया इस दौरान एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी ने किरर में आयोजित अनूभूति कार्यक्रम दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य को जन्म से मृत्यु तक के समय में हमें ऑक्सीजन के साथ अन्य तरह की आवश्यकता महत्वपूर्ण होती हैं जिसमें वनों में पाए जाने वाले विभिन्न तरह के वृक्षों का अत्यधिक महत्व है पेड़ पौधों के रहने से हमें स्वच्छ वातावरण के साथ ऑक्सीजन मिलता है जिससे हमारा जीवन स्वच्छ वातावरण में सफलतापूर्वक चल रहा है इसलिए वनों को काटने से बचाए रखना हमारे जीवन के लिए आवश्यक है किरर में आयोजित कार्यक्रम दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह, वन परिक्षेत्राधिकारी राजेंद्रग्राम शिवम कोष्टी, ग्राम पंचायत औढेरा सरपंच श्रीमती श्यामबाई सिंह, अनुभूति के प्रेरक शशिधर अग्रवाल, सकरा स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर दीपा खत्री, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर प्राचार्य डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह, परि,सहायक अनूपपुर विजय कुमार सोनवानी, परिक्षेत्र सहायक किरर रिचर्ड रेगी राव, परि,सहायक फुगना रमेश प्रसाद पटेल, वन विभाग के कर्मचारी, विद्यालयों के शिक्षक शिक्षकाओ की उपस्थिति में बच्चों को वन भ्रमण कर कर वनों के बारे में अवगत कराया गया इस दौरान बच्चों को किरर के जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण करती उड़न गिलहरी एवं अन्य तरह के पक्षियों को प्रत्यक्ष रूप से दिखाया गया के साथ विभिन्न तरह की गतिविधियां आयोजित की गई।

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ बना असुरक्षित आश्रयगृह

नाबालिग आदिवासी छात्राएं हुई लापता

जिम्मेदार अफसर रहते हैं नदारत, नियमों की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

मध्यप्रदेश शासन द्वारा आदिवासी अंचल की बेटियों के सुरक्षित भविष्य और शिक्षा के लिए स्थापित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ आज खुद सवालों के कटघरे में खड़ा है। यहां शिक्षा से ज्यादा खतरे में छात्राओं की सुरक्षा है। बीते दिनों एक के बाद एक नाबालिग आदिवासी छात्राओं का छात्रावास से लापता होना न केवल प्रशासनिक लापरवाही उजागर करता है, बल्कि पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम। जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड में जनजातीय बालिकाओं के विकास, शिक्षा और सुरक्षा के उद्देश्य से स्थापित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ की हकीकत बेहद डराने वाली है। जिस परिसर को छात्राओं के लिए सुरक्षित आवासीय विद्यालय होना था, वही आज असुरक्षा, अव्यवस्था और गैर-जिम्मेदारी का केंद्र बनकर रह गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रावास की अधीक्षिका बसंता परस्ते एवं प्राचार्य डॉ. चित्रा सोनवानी शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद परिसर में निवास नहीं करतीं है। जबकि नियम साफ कहते हैं कि आवासीय विद्यालय में अधीक्षक और प्राचार्य का परिसर में रहना अनिवार्य है। इसी लापरवाही का नतीजा है कि 13 जनवरी 2026 को कक्षा 11वीं की दो नाबालिग छात्राएं रहस्यमय तरीके से छात्रावास से लापता हो गईं। पहले भी इसी तरह कक्षा 9वीं की छात्रा जश्मी देवी गायब हो चुकी है। सवाल यह है कि आखिर कब तक आदिवासी बेटियां इस सिस्टम की बलि चढ़ती रहेंगी?

दो छात्राओं का लापता होने से मचा हड़कंप

दिनांक 14 जनवरी 2026 को शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ से कक्षा 11वीं की दो छात्राएं अचानक लापता हो गईं, जिससे छात्रावास और स्कूल में हड़कंप मच गया, लेकिन घंटों की खोजबीन के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई। एक दिन बीत जाने पर परिजनों के दबाव के बाद थाना राजेंद्रग्राम में गुमशुदगी की सूचना दी गई जिससे शिकायत 15 जनवरी को पुलिस के पास पहुंची मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों छात्राओं को जबलपुर के आसपास से थाना राजेंद्रग्राम पुलिस ने बरामद कर लाया गया। यह घटना अपने आप में छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था पर करारा तमाचा है। सवाल उठता है कि नाबालिग छात्राएं इतनी आसानी से परिसर से बाहर कैसे चली गईं?

परिसर में नहीं रहतीं जिम्मेदार अधिकारी

सबसे गंभीर तथ्य यह है कि छात्रावास अधीक्षिका और प्राचार्य दोनों ही परिसर में निवास नहीं करतीं है। जबकि शासन के नियमों के अनुसार आवासीय विद्यालय में उनका रहना अनिवार्य है। अगर जिम्मेदार अधिकारी मौके पर होते, तो शायद यह स्थिति पैदा ही न होती। यह कोई पहला मामला नहीं है। करीब 15 दिन पहले कक्षा 9वीं की छात्रा भी रहस्यमय तरीके से लापता हुई थी। बाद में खोजबीन कर उसे माता-पिता को सौंप दिया गया, लेकिन तब भी किसी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी।

सवालों के घेरे में प्रशासन, कार्यवाही कब?

लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद प्राचार्य और अधीक्षिका ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। रिपोर्ट दर्ज कराना ही अगर कर्तव्य था, तो परिसर की सुरक्षा कौन देखेगा? सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर इसी तरह आदिवासी छात्राएं लापता होती रहीं, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या विद्यालय प्रशासन, जनजातीय विभाग या जिला प्रशासन? यह मामला केवल लापरवाही नहीं, बल्कि आदिवासी बेटियों की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है। अब जरूरत केवल जांच की नहीं, बल्कि तत्काल निलंबन, विभागीय कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की है। क्योंकि अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो अगली घटना की जिम्मेदारी पूरे सिस्टम की होगी तय है।

6 माह से फरार हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। थाना अमरकंटक में दिनांक 23/07/2025 को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बिलासपुर में एक महिला का शव मृत हालत में अर्धनग्न अवस्था में उसी के घर के अंदर पड़ा हुआ है। सूचना की तस्दीक हेतु ग्राम बिलासपुर पहुंचकर मौके से जांच किया गया। मृतिका के लड़के जितेन्द्र कुमार बरनवा पिता स्व. रामकुमार बरनवा उम्र 21 वर्ष निवासी बिलासपुर की सूचना पर देहाती मर्ग इंटीमेश क्र. 0/25 धारा 194 बी. एन. एस. एस. का कायमी कर मौके से घटना स्थान निरीक्षण, पंचनामा कार्यवाही की जाकर घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित कर फरियादी एवं गवाहानों के कथन लिए जो बताये कि मृतिका कविता बाई पति स्व. रामकुमार बरनवा उम्र 45 वर्ष निवासी बिलासपुर जिसके पति का 05 वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो गया है। करीब 02 वर्ष से दासता पति परदेशी विश्वकर्मा को बनाकर अपने घर पर रखी थी, दोनों पति पत्नी के रूप में रहते थे, परदेशी विश्वकर्मा करीब 02-04 माह से मृतिका के चरित्र पर संदेह कर अक्सर घर के अंदर झगड़ा विवाद करता और एक दो बार मारपीट भी किया था। दिनांक 22/07/2025 की शाम करीब 05 बजे भी बांस के डण्डा से घर के सामने रोड पर हत्या करने की नियत से मारपीट करते हुए रोड से घसीटते हुए घर के अंदर ले गया और मारपीट कर वहीं नग्न अवस्था में खटिया में लेटाकर दरवाजा लगाकर चला गया था। दिनांक 23.07.2025 को सुबह करीब 8.00 बजे गवाहान मौके से मृतिका के घर जाकर देखे तो मृतिका घर के अंदर मृत व अर्धनग्न अवस्था में पड़ी थी। मृतिका के शव का पी.एम. सीएचसी अमरकंटक से कराया गया। पी.एम. रिपोर्ट में डाक्टर द्वारा मृतिका की मृत्यु उसके सिर, पीठ, पसली, हांथ, कूल्हा में आई चोटों के कारण होना लेख किया गया है। मर्ग जांच पर से आरोपी परदेशी विश्वकर्मा निवासी भीमकुण्डी के विरुद्ध अपराध धारा 103(1) बी.एन.एस. एवं 3(2)ट एस.सी./एस.टी. एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। मामला हत्या एवं अनुसूचित जाति/जनजाति विरुद्ध सवर्ण होने से मामले की अग्रिम विवेचना एस.डी.ओ.पी. नवीन तिवारी के द्वारा की गई। विवेचना के दौरान आरोपी की पता तलाश हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के मर्गदर्शन में टीम गठित आरोपी की पता तलाश की गई लेकिन आरोपी का कोई पता नहीं चल रहा था। उक्त आरोपी की पता तलाश हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा इनाम उद्घोषणा की गई थी। आरोपी परदेशी विश्वकर्मा की पता तलाश हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा था किन्तु कोई पता नहीं चल पा रहा था। मुखबिर द्वारा बताया गया कि आरोपी परदेशी विश्वकर्मा जिला कोरबा (छ.ग.) में आकर छिपकर रह रहा है जिस पर तत्काल पुलिस टीम गठित कर आरोपी को जिला कोरबा (छ.ग.) से दिनांक 17/01/2026 को गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश किया जाकर जेल भेजा गया है। आरोपी की गिरफ्तारी में नवीन तिवारी एस.डी.ओ.पी. पुष्पराजगढ़, निरीक्षक लालबहादुर तिवारी, सउनि. ईश्वर यादव, प्र.आर. 139 पूरन सिंह, प्र.आर. 26 धीरेन्द्र प्रसाद (एस.डी.ओ.पी. कार्यालय पुष्पराजगढ़), आर. 311 कृष्णा राजावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

10 फरवरी को होगा वेंकटनगर में रेल रोको आंदोलन-फुन्देलाल सिंह मार्को

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने बताया कि वेंकटनगर में 19 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाला रेल रोको आंदोलन को आगे बढ़ा दिया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग बिलासपुर को पत्र प्रेषित किया है। जिसमें उनके 15/01/2026 के पत्र के संबंध में जवाब दिया है एवं कहा कि वेंकटनगर एवं निगौरा क्षेत्र की जनता में दिन प्रति दिन यात्री ट्रेनों के ठहराव न होने के कारण आक्रोश बढ़ता जा रहा है। तथा दिनांक 19/01/2026 को वेंकटनगर स्टेशन में रेल रोको आंदोलन जनता द्वारा प्रस्तावित किया गया था। परन्तु सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोंचिग) बिलासपुर का संदर्भित पत्र प्राप्त न होने के बाद पत्र में लिखित आश्वासन देने से प्रस्तावित रेल रोको आन्दोलन वेकटनगर स्टेशन के पास किया जाना जनता द्वारा आगामी तारीख 09 फरवरी 2026 तक बढ़ाया जाता है। अन्यथा 10 फरवरी 2026 को आदोलन रेल रोको का किया जाएगा।उन्होंने पत्र की प्रतिलिपि- महाप्रबंधक द.पू. मध्य रेलवे बिलासपुर। कलेक्टर जिला अनूपपुर (म.प्र.)। पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर (म.प्र.)। अनुविभागीय दण्डाधिकारी, जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)। एवं सहायक वाणिज्य प्रबधंक (कोचिंग) द.पू.म. बिलासपुर को प्रेषित किया है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के आवेदनों के निराकरण के लिए आयोजित होंगे विशेष शिविर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत आवेदकों के बैंक शाखावार प्रेरित प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जनपद स्तर पर विशेष शिविर के आयोजन के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में 19 जनवरी को जनपद पंचायत कोतमा में 20 जनवरी को जनपद पंचायत पंचायत जैतहरी में 21 जनवरी को तथा जनपद पंचायत अनूपपुर में 22 जनवरी को विशेष शिविर आयोजित होगा। इस शिविर में संबंधित जनपद की सभी बैंक शाखों के अधिकारियों को उपस्थित होकर योजना के तहत प्रकरणों की स्वीकारता एवं राशि वितरण की कार्यवाही करनी होगी। शिविर में आवेदकों को उपस्थित कराने की जवाबदेही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतो के सचिव, ग्राम रोजगार सहायकों को दी गई है। शिविर के सफल क्रियान्वयन के लिए समन्वय करने हेतु जिला स्तर से आरजीएसए के डीपीएम सुदर्शन सिंह चंदेल एवं पेसा के जिला समन्वयक राजेश सिंह की ड्यूटी लगाई गई है।

सचिव के विरोध में ग्राम सभा पहुंची कार्यालय जनपद पंचायत

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर के नजदीकी ग्राम पंचायत भाखा माल जिस ग्राम पंचायत क्षेत्र में चार गांव सम्मिलित हैं। जोकि वर्तमान ग्राम पंचायत सचिव सेवा सिंह राजपूत से काफी त्रस्त हैं। ग्राम पंचायत भाखा माल में 16 जनवरी को ग्राम सभा आयोजित की गई। चारों गांव में मुनादी कराई गई। जब ग्रामीण पंचायत कार्यालय में पहुंचे तो सचिव नदारत होने से ग्रामीण आक्रोशित होकर सचिव के विरुद्ध प्रस्ताव पारित कर पूरी ग्राम सभा जनपद पंचायत कार्यालय अमरपुर पहुंचकर सचिव सेवा सिंह राजपूत को 15 दिवस में ग्राम पंचायत से स्थानांतर कर दूसरे सचिव की व्यवस्था करने कहा गया हैं। ग्रामीणों का आरोप हैं कि सचिव ग्राम पंचायत कार्यालय में आता ही नहीं हैं। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर फोन लगाने पर फोन रिसीव नहीं किया जाता।